दैनिक जागरण नई दिल्ली, 8 अक्टूबर 2016

मानसिक रोगियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा जरूरी : डॉ. एमएस भाटिया

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत जीटीबी अस्पताल में प्राथमिक चिकित्सा पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मनोरोग विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ.एमएस भाटिया ने कहा कि जिस तरह से अन्य बीमारियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध है, वैसे ही जरूरत मानसिक रोगियों के लिए भी है। अगर मानसिक बीमारी की शुरुआत में ही प्राथमिक चिकित्सा मिल जाए तो इस पर रोक लगाई जा सकती है। देशभर में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ रही है, जबकि मानसिक रोग चिकित्सकों की संख्या अभी सीमित है। सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ. एमएस भाटिया ने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा घर में ही भी मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि लोग मानसिक रोगों के कारण और निवारण के बारे में जागरूक हों। भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव भी कम नहीं है। यही तनाव हावी होकर मानसिक रोगी बना देते है। ऐसे में सबसे पहले तनाव प्रबंधन जरूरी है। योग व व्यायाम के साथ अच्छा समय व्यतीत करने की कोशिश होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि त्योहार जहां लोगों को सामाजिक बनाते है वहीं खेल सहनशक्ति प्रदान करते है। ये स्वस्थ्य मन के लिए जरूरी है। विभाग की प्रोफेसर डॉ. श्रुति श्रीवास्तव ने बताया कि समाज में कई घटनाएं ऐसी होती है जो मनोरोग का कारण बन जाती है। मसलन घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, प्राकृतिक आपदा, आगजनी, सड़क हादसा आदि के पीड़ित मानसिक रोगी बन सकते है। ऐसे लोगों को तुरंत काउंसलिंग की जरूरत होती है। यह काम कोई भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को सबसे पहले भावनात्मक सहारे की जरूरत होती है। इसके साथ तनाव प्रबंधन के गुर बताए जाने चाहिए। इस कार्यक्रम को जीटीबी अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक राजीव सागर, डॉ.एलसी ठाकुर ने भी संबोधित किया। इस सेमिनार में सेवानिवृत्त डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, धार्मिक संस्था और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया।